जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण/जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र, उत्तरकाशी।

मासिक आख्या–दिसम्बर, 2017

पत्र संख्या:– 33 /तेरह–आ0प्र0प्रा0 दिनांक 16 जनवरी, 2017

1– **विकास खण्ड कार्यालय भटवाडी के मैदान में दिनांक 30.11.2017 से 02.12.2017** तक आयोजित विकास मेले जनपद आपदा प्रबन्धन द्वारा पुलिस/अग्निशमन एवं एस0डी0आर0एफ0 के सहयोग से आपदा प्रबन्धन सम्बन्धी स्टॉल लगाकर आम–जनमानस को आपदा प्रबन्धन सम्बन्धी जानकारी से जागरूक किया गया।

2. **दिनांक 06.12.2017 को रात्रि 8:49 बजे जनपद चमोली के पोखरी में आये 4.7 परिणाम के भूकम्प का झटका जनपद में भी महसूस किया गया।** तदपश्चात् सायरन/दूरभाष एवं वट्सएप के माध्यम से सम्बन्धितों को सूचित कर आई0आर0एस0 सक्रीय किया गया। आर0ओ0/जिलाधिकारी महोदय द्वारा समस्त आई0आर0एस0 अधिकारियों एवं विभागीय नोडल अधिकारियों को ब्रिफिंग दी गयी।

क्रमश:.....2

जिलाधिकारी महोदय जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र में उपस्थिति रहकर आवश्यक दिशानिर्देश निर्गत किये गये। तहसीलवार गठित त्वरित कार्यवाही दल को सक्रीय किया गया तथा सभी खोज–बचाव दलों एवं अन्य सम्बन्धित विभागों को एलर्ट पर रखा गया। सभी नामित आई0आर0एस0 अधिकारीगण जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र में उपस्थित हुये। जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा दूरभाष/पुलिस वायरलेस सेट से तहसीलों/थानों एवं ग्राम प्रधानों से भूकम्प से क्षति की सूचना प्राप्त की गयी भूकम्प से किसी प्रकार की हानि की सूचना प्राप्त नहीं हुयी।

3. **दिनांक 11.12.2017 को तहसील मोरी अन्तर्गत पुष्टहारा बुग्याल में ग्राम ढटमीर के 03 ग्रामणी बर्फ के नीचे दबे होने की सूचना** पर दिनांक 12.12.2017 से दिनांक 17.12.2017 तक नायब तहसीलदार मोरी, राजस्व उप निरीक्षकों, पुलिस, एस0डी0आर0एफ एवं ग्रामीण लोगो खोज–बीन हेतु भेजे गये किन्तु अत्यधिक बर्फ होने के कारण दबे लोगा पता नहीं चल पाया।

क्रमश:.....3

उक्त लोगों को सर्च किये जाने हेतु दिनांक 18.12.2017 को जिला प्रशासन द्वारा कमाण्डेट, 12 वी वाहिनी, आई0टी0बी0पी0 से अनुरोध करने पर आई0टी0बी0पी0 द्वारा 02 एस0ओ0 एवं 14 जवानों का दल भेजा गया।

दिनांक 19.12.2017 को उक्त दल ढटमीर से एस0डी0आर0एफ0, राजस्व निरीक्षक, तहसीलदार एवं स्थानीय लोगों द्वारा पुष्टाहार बुग्याल में सर्च किया गया।

दिनांक 20.12.2017 को उक्त संयुक्त दल पुनः पुष्टहार बुग्याल में लापता लोगों के सर्च हेतु पुनः गया अपरान तक उक्त दल द्वारा सभी 03 लापता लोगों के शवों को बरामद कर ढाटमीर लाया गया।

आई0टी0बी0पी0 की उक्त दल को स्थानीय जनप्रतिनिधयों एवं उपजिलाधिकारी, पुरोला द्वारा सम्मानित किया गया तथा अगामी 26 जनवरी, 2018 को गणतन्त्र दिवस पर उपरोक्त कार्मिकों को सम्मानित किये जाने का प्रस्ताव है।

क्रमशः.....4

4. **सचिव आपदा प्रबन्धन विभाग, उत्तराखण्ड शासन द्वारा इस सम्बन्ध में पत्र संख्या** DMMC/XIV–242(2006) TC दिनांक 11.12.2017 भागीरथी नदी के उद्गम स्थल के पास हुये भू–स्खल के फलस्वरूप मलवे के कारण नदी के मार्ग परिवर्तन सम्बन्धी विषयक के क्रम में दिनांक 13.12.2017 को पुलिस/एस0डी0आर0एफ0/वन विभाग/एन0आई0एम0/सिचांई का दल श्री प्रताप सिंह पंवार, वनक्षेत्राधिकारी, गंगोत्री राष्ट्रीय पार्क को नेतृत्व में गंगोत्री/गोमुख में सर्वेक्षण हेतु भेजा गया है।

दल को आवश्यक हाई अल्टीटूट उपकरणों सहित सैटलाईट फोन तथा पुलिस रेडियों संचार सेट/आपरेटर अदि उपलब्ध कराये गये।

जिला प्रशासन के अनुरोध पर सेनानायक, एस0डी0आर0एफ0, जौलीग्राण्ट देहरादून द्वारा दिनांक 14.12.2017 को 05 सदस्यीय माउन्ट्रेनिंग विंग, एस0डी0आर0एफ0, दल जौलीग्राण्ट से उत्तरकाशी भेजा गया है। उक्त दल को आवश्यक दिशानिर्देश निर्गत कर गंगोत्री के लिये रवाना किया गया है। उक्त दल के साथ गौमुख मार्ग पर बर्फ हटाने तथा हेलीकॉप्टर के उतरने हेतु आवश्यक व्यवस्था किये जाने हेतु लो0नि0वि0, भटवाडी के 02 कनिष्ठ अभियन्ता सहित 04 बेलदारों को भी भेजा गया।

क्रमश:.....5

उक्त दल द्वारा दिनांक 15.12.2017 को भोजवासा में पहुॅचकर दिनांक 16.12.2017 को भोजवासा से गौमुख क्षेत्र में सर्वेक्षण कर दिनांक 17.012.2017 को उत्तरकाशी मुख्यालय में पहुॅचकर आख्या उपलब्ध कराते हुये अवगत कराया गया है कि उक्त क्षेत्र में गंगोत्री से गौमुख तक किसी प्रकार का भूस्खलन नहीं हो रहा है तथा भागीरथी नदी में झील नहीं बनी है। भागीरथी नदी अपने चिन्हित स्थान से ही बह रही है।

5. **दिनांक 14 दिसम्बर, 2017 को प्रातः बज 7:00 बजे गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थान** गंगोरी के पास गंगोरी वैलीब्रज क्षतिग्रस्त होने के कारण यातायात पूर्ण रूप से बाधित हो गया था, तद्पश्चात जिलाधिकारी एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा घटना स्थल का तत्काल निरीक्षण किया गया।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा आपात बैठक आहूत कर उक्त स्थान पर सीमा सड़क संगठन को युद्वस्तर पर वैकल्पिक मार्ग निर्माण का निर्णय किये जाने हेतु निर्देशित किया गया तथा अन्य लो0नि0वि0 खण्डों को आवश्यक सहयोग हेतु निर्देशित किया गया। यात्रियों की सुरक्षा हेतु पुलिस एवं एस0डी0आर0एफ0 की तैनाती गयी गयी।

क्रमशः.....6

सीमा सड़क संगठन के 70 मजदूरों एवं 02 जेसीबी, 01 पौलेण्ड मशीन द्वारा लगातार कार्य कर रात्रि 10:15 बजे तक वैकल्पिक मार्ग तैयार कर वाहनों का आवागमन कराया जाना सम्भव हुआ। जनपद आपदा प्रबन्धन द्वारा सीमा सड़क संगठन को क्षतिग्रस्त वैकल्पिक वैलीब्रिज को शीघ्र पुनर्निर्माण के निर्देश दिये गय। जनपद आपदा प्रबन्धन द्वारा अन्य सम्बन्धित विभागों से समन्वय कर उक्त स्थान पर विद्युत/पेयजल तथा ट्रॉजिपमेन्ट की व्यवस्था करवायी गयी।

6. 07 नवम्बर, 2017 को हर्षिल में लो0नि0वि0 के निर्माणाधीन मोटर मार्ग के एक व्यक्ति के मलवे में दबने के कारण खोज–बचाव कार्य करने वालों कार्मिकों के मनोबल बढाये जाने हेतु उनके द्वारा किये कार्य की प्रसंशा करते हुये सम्मानित कर जलपान का अयोजन किया गया।

क्रमशः.........7

7. **दिनांक 28.12.2017 को सांय 4:47 बजे जनपद में भूकम्प के झटका महसूस होने पर सायरन/दूरभाष एवं वट्सएप के माध्यम से सम्बन्धितों को सूचित कर आई0आर0एस0 सक्रीय किया गया ।**

तहसीलवार गठित त्वरित कार्यवाही दल को सक्रीय किया गया तथा सभी को एलर्ट पर रखा गया। सभी नामित आई0आर0एस0 अधिकारीगण जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र में उपस्थित हुये। आर0ओ0/जिलाधिकारी महोदय द्वारा समस्त आई0आर0एस0 अधिकारियों एवं विभागीय नोडल अधिकारियों को ब्रिफिंग दी गयी।

तद्पश्चात स्टेजिंग ऐरिया सक्रीय कर समस्त सम्बन्धित विभागों को स्टेजिंग ऐरिया में संसाधन उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया ।

जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा दूरभाष/पुलिस वायरलेस सेट सेत हसीलों/ थानों एवं ग्राम प्रधानों से भूकम्प से क्षति की सूचना प्राप्त की गयी। भूकम्प से किसी प्रकार के जन-धन की क्षति की सूचना प्राप्त नहीं हुयी।

क्रमशः.....8

8. **यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-94) के स्थान ओजरी (डबरकोट) के पास लगभग** 250 मीटर ऊंचाई से लगातार भूस्खलन होने के कारण दिनांक 12.09.2017 से दिनांक 30.09.2017 तक मार्ग अवरूद्व रहा। जिससे यात्रियों एवं स्थानीय लोगों को कठिनायों का सामना करना पड़ा साथ ही उक्त क्षेत्र में खाद्यान्न आदि आवश्यक सामग्री के आपूर्ति की समस्या उत्पन्न हो गयी थी। उपरोक्त स्थान पर तत्समय यात्रियों/स्थानीय लोगों का आवागमन तथा खाद्यान्न/गैस आदि आवश्यक सामग्री की आपूर्ति 2.50 किमी0 पैदल वैकल्पिक मार्ग से की गयी। दिनांक 30.12.2017 तक भूस्खलन रूकने पर मर्ग सुचारू किया जा सका।

क्रमशः.....9

जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण की बैठक में विचार–विमर्श उपरान्त निर्णय लिया गया कि यमुनोत्री धाम सहित इस सम्पूर्ण क्षेत्र में खाद्यान्न आदि आपूर्तियों तथा यात्रियों व क्षेत्रवासियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए प्रभावित स्थान से तत्काल वैकल्पिक मोटर मार्ग निर्माण किया जाय। निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बड़कोट,उत्तरकाशी को कार्यदायी संस्था नामित कर अधीक्षण अभियन्ता, लो0नि0वि0 उत्तरकाशी के पर्यवेक्षण में यमुना नदी के सामानातर भूस्खलन क्षेत्र को पार करते हुये स्यानाचट्टी तक वैकल्पिक मोटर मार्ग निर्माण किया गया। जिसे दिनांक 30 सितम्बर, 2017 तक पूर्ण किया गया। उक्त स्थान वैकल्पिक मोटर मार्ग निर्माण कार्य हेतु अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बडकोट द्वारा किये गये कार्य हेतु रू0 50.26 लाख (पचास लाख छब्बीस हजार) धनराशि अवमुक्त किये जाने हेतु इस कार्यालय के पत्र संख्या– 7020/तेरह–आ0प्र0/2017 दिनांक 03 नवम्बर,2017 के द्वारा सचिव, आपदा प्रबन्धन,उत्तराखण्ड, शासन को प्रेषित किया गया है।

उक्त स्थान पर पुनः दिनांक 12.12.2017 से दिनांक 13.12.2017 तक हल्की वर्षा होने पर भी भूस्खलन होने के कारण मार्ग अवरूद्व रहा। उक्त स्थान पर आवागमन पूर्व निर्मित वैकल्पिक मोटर मार्ग से सुचारू किया जा सका। उक्त वैकल्पिक मोटर मार्ग का सुदृढ़ीकरण एवं यमुना नदी पर पुल का निर्माण किया जाना नितान्त आवश्यक के दृष्टिगत अधिशासी अभियंता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बड़कोट द्वारा प्रस्तुत कण्डार धार से त्रिखली तक 05 किमी0 वैकल्पिक मोटर मार्ग एवं यमुनानदी पर 42 मीटर स्पान के गार्डर सेतु सहित आंगणन रू0 603.77 लाख की मांग इस कार्यालय के पत्र संख्या–8023/तेरह–आ0प्र0/2017 दिनांक 18 दिसम्बर, 2017 के द्वारा अपर मुख्य सचिव, लोक निर्माण विभाग से की गयी है।

क्रमशः.....10

आगामी मानसूनकाल/यात्राकाल से पूर्व राष्ट्रीय राजमार्ग, के ओजरी/डबरकोट के पास उपचरारात्मक कार्य के अन्तर्गत स्लिप तथा वर्षा के कारण स्लिप जोन के मलवे को मार्ग पर आने से रोकने हेतु तीन परतों में गैवियान्स वायरक्रेट का प्राविधान किया गया है, जिससे तीन मीटर ऊॅचाई की एक दीवार निर्माण की जायेगी, जो स्लिप को मार्ग पर आने से रोकेगी। उक्त कार्य हेतु अधिशासी अभियन्ता, राष्ट्रीय राजमार्ग खण्ड, बडकोट द्वारा गठित आंगणन की कुल धनराशि रू0 63.93 लाख (तिरसठ लाख तिरानवे हजार) की मांग इस कार्यालय के पत्र संख्या–02/तेरह–आ0प्र0प्रा0/ओजरी भू0/2018 दिनांक 03 जनवरी, 2018 के द्वारा प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड, शासन को प्रेषित की गयी है।

(देवेन्द्र सिंह पटवाल)
आपदा प्रबन्धन अधिकारी,
उत्तरकाशी।

प्रतिलिपिः– निम्नाकिंतों की सेवा में सादर सूचनार्थ प्रेषित।

1. अपर सचिव, आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
2. अधिशासी निदेशक, आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र, सचिवालय, देहरादून।

आपदा प्रबन्धन अधिकारी,
उत्तरकाशी।